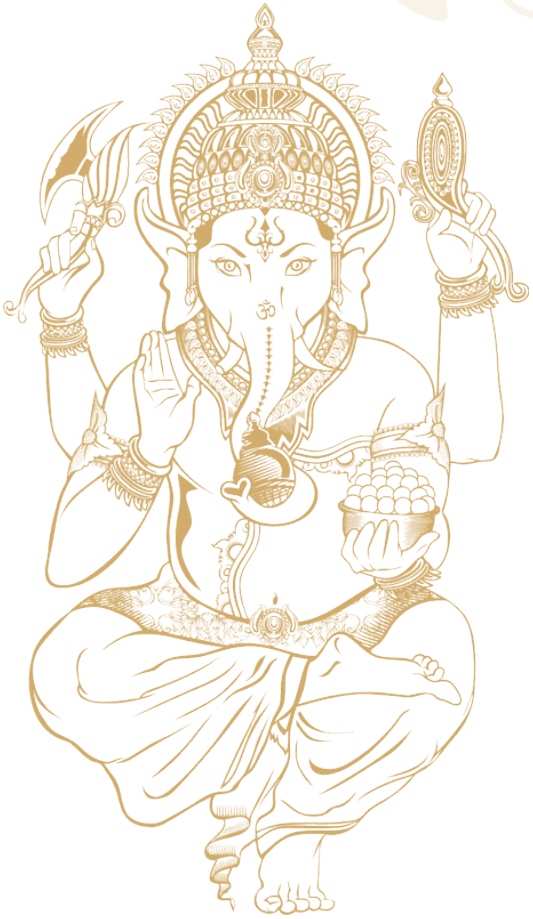

Brijesh Pandey

18 Aug 1995

01:30 PM

Kapilvastu Zila

Model: web-freekundliweb

Order No: 121471602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/08/1995**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:30:00 घंटे**
इष्ट	19:21:24 घटी
स्थान	**Kapilvastu Zila**
देश	Nepal

अक्षांश	27:04:00 उत्तर
रेखांश	83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	86:15:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:17:00 घंटे
वेलान्तर	-00:03:58 घंटे
साम्पातिक काल	11:01:50 घंटे
सूर्योदय	05:45:26 घंटे
सूर्यास्त	18:47:59 घंटे
दिनमान	13:02:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:06:47 सिंह
लग्न के अंश	12:04:18 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ध्रुव
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	12:04:18	310:49:55	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	01:06:47	00:57:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	03:15:38	11:56:54	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	23:17:05	00:37:57	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
बुध			सिंह	20:22:23	01:36:07	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	12:06:09	00:02:49	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	00:22:33	01:14:13	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	29:30:37	00:03:45	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	स्वराशि
राहु	व		तुला	04:59:04	00:00:26	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		मेष	04:59:04	00:00:26	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	03:38:50	00:02:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप	व		धनु	29:32:58	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	04:02:38	00:00:20	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			सिंह	20:25:03	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:55

लग्न-चलित

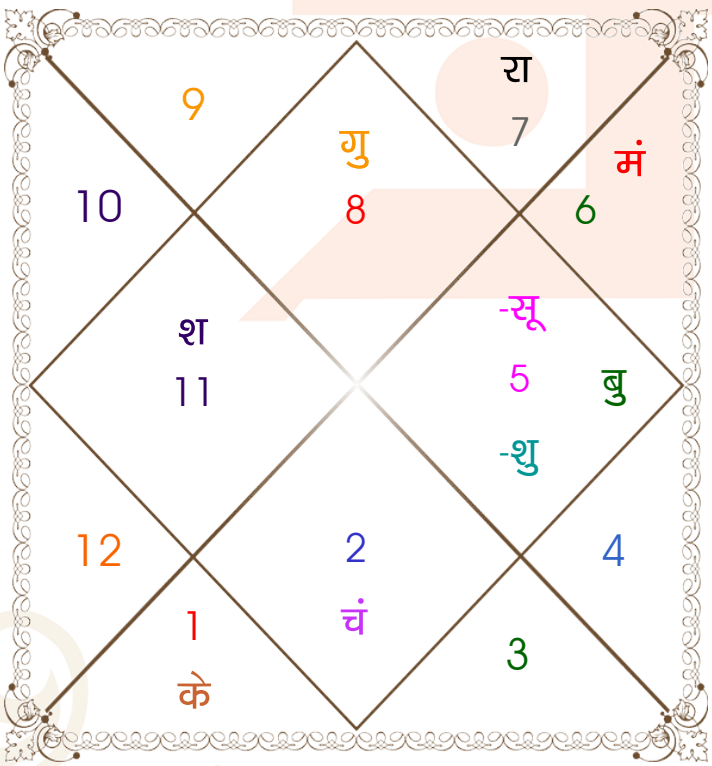

चन्द्र कुंडली

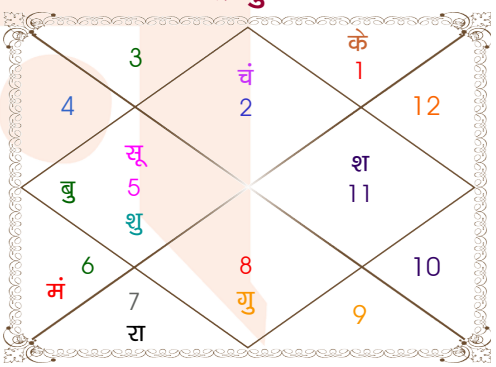

नवमांश कुंडली

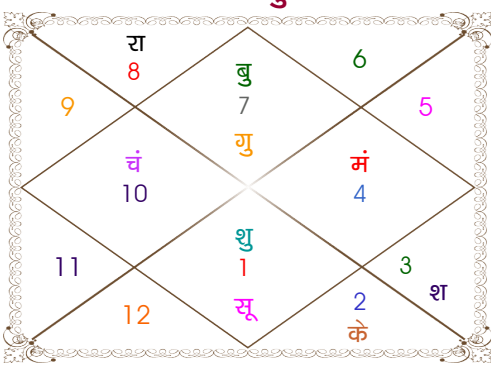

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 0 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/08/1995		30/08/1998		29/08/2008		30/08/2015		30/08/2033	
30/08/1998		29/08/2008		30/08/2015		30/08/2033		30/08/2049	
	00/00/0000	चंद्र	30/06/1999	मंगल	25/01/2009	राहु	12/05/2018	गुरु	18/10/2035
	00/00/0000	मंगल	29/01/2000	राहु	13/02/2010	गुरु	05/10/2020	शनि	30/04/2038
	00/00/0000	राहु	30/07/2001	गुरु	20/01/2011	शनि	12/08/2023	बुध	05/08/2040
	00/00/0000	गुरु	29/11/2002	शनि	29/02/2012	बुध	28/02/2026	केतु	12/07/2041
	18/08/1995	शनि	29/06/2004	बुध	25/02/2013	केतु	19/03/2027	शुक्र	12/03/2044
शनि	17/06/1996	बुध	29/11/2005	केतु	24/07/2013	शुक्र	18/03/2030	सूर्य	29/12/2044
बुध	24/04/1997	केतु	30/06/2006	शुक्र	23/09/2014	सूर्य	10/02/2031	चंद्र	30/04/2046
केतु	30/08/1997	शुक्र	29/02/2008	सूर्य	29/01/2015	चंद्र	11/08/2032	मंगल	06/04/2047
शुक्र	30/08/1998	सूर्य	29/08/2008	चंद्र	30/08/2015	मंगल	30/08/2033	राहु	30/08/2049

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
30/08/2049		29/08/2068		30/08/2085		29/08/2092		30/08/2112	
29/08/2068		30/08/2085		29/08/2092		30/08/2112		00/00/0000	
शनि	01/09/2052	बुध	26/01/2071	केतु	26/01/2086	शुक्र	30/12/2095	सूर्य	18/12/2112
बुध	12/05/2055	केतु	23/01/2072	शुक्र	28/03/2087	सूर्य	29/12/2096	चंद्र	18/06/2113
केतु	20/06/2056	शुक्र	23/11/2074	सूर्य	03/08/2087	चंद्र	30/08/2098	मंगल	24/10/2113
शुक्र	21/08/2059	सूर्य	29/09/2075	चंद्र	03/03/2088	मंगल	30/10/2099	राहु	18/09/2114
सूर्य	02/08/2060	चंद्र	28/02/2077	मंगल	30/07/2088	राहु	31/10/2102	गुरु	07/07/2115
चंद्र	03/03/2062	मंगल	25/02/2078	राहु	17/08/2089	गुरु	01/07/2105	शनि	19/08/2115
मंगल	12/04/2063	राहु	13/09/2080	गुरु	24/07/2090	शनि	30/08/2108		00/00/0000
राहु	16/02/2066	गुरु	20/12/2082	शनि	02/09/2091	बुध	01/07/2111		00/00/0000
गुरु	29/08/2068	शनि	30/08/2085	बुध	29/08/2092	केतु	30/08/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 0 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के तृतीय चरण में वृश्चिक लग्न के उदयकाल में हुआ था। आपका जन्म तुला नवमांश एवं मीन के द्रेष्काण के प्रभाव से लग्न का प्रभाव अति उच्चाकांक्षी एवं प्रभावशाली प्रतीत होता है एवं सूचित करता है कि आप मात्र निष्कपट प्राणी ही नहीं है, बल्कि आप सर्वथा धनी एवं संभव वैदेशिक परिभ्रमण परिदर्शनार्थी होंगे। आपमें घूमने फिरने की उत्कट लालशा विद्यमान है। आपको कतिपय वैदेशिक भूमि का परिभ्रमण क्रम में कार्य-व्यवसाय की अनुकूलता की संभावनाओं के कारण विदेश में अपना निवास भी बना सकते हैं।

आप अपने जीवन के उद्देश्यित कार्य संपादन हेतु समर्थ होंगे। आप अच्छी प्रकार यह जानते हैं कि लोगों के द्वारा किस प्रकार कुछ भी प्राप्त किया जाता है। आप किसी के साथ भी सन्निकटता प्राप्त करने में मास्टर है तथा शक्ति एवं अधिकृत पद प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में कैसे उन्नति कर सकते हैं इस युक्ति पर आपको पूर्ण आस्था है। साथ ही आप चिकनी चुपड़ी एवं मीठी-मीठी बातें कर जनसामान्य को अपने वाक्य जाल में फंसा कर अपने प्रति विश्वासी बना लेते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आप बाहर से और तथा अंदर हृदय से कुछ और है। आपके वाह्याचरण एवं अंतरंगता में भिन्नता है।

आप अपनी कार्य योजना के गुप्त रहस्यों को स्वयं जानते हो क्योंकि आप अपने अनुकूल समर्थ किसी अन्य को नहीं समझते। इससे आपको आश्चर्यजनक अनुकूलता प्राप्त होती है तथा अकस्मात् उछलकर अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए सुगमतापूर्वक कार्य संपादन कर लेते हैं।

आप में व्यक्तिगत रूप से उच्च महत्वकांक्षा विद्यमान हैं। आपका मुख्य उद्देश्य धन प्राप्त करना है। आप अपनी उपलब्धि के प्रति अपने मस्तिष्क में कोई बल नहीं देते। अर्थात् कोई विशेष चिंतनशील नहीं बनते हैं।

यदि ऐसी परिस्थिति आ जाय कि कोई व्यक्ति अनैतिकपूर्ण आचरण अर्थात् बेईमानी करें तो उसके प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाकर, उसे प्रताड़ित करने अर्थात् सताने लगते हैं। यदि एक बार आप हिंसक प्रवृति अपना लेते है तो फिर आप जहरीले बिच्छू की भांति सतत् उस व्यक्ति को संतप्त करते रहते हैं।

आप भूमि से संबंधित व्यवसाय कर सकते हैं। यथा कृषिकार्य, खदान में खनिज खनन का कार्य, भूमि के नीचे अभियंत्रिकी कार्य आदि जो आपको उपयुक्त लगे वह कार्य कर सकते हैं। आप अभिनय कार्य अथवा कलाभवन अर्थात् साज-शय्या संबंधी कार्य में विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

आप परिवारिक जीवन से युक्त रहने को महत्त्व देते हैं। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं समझदार अर्थात् उदीयमान पुत्र से युक्त अपना परिवारिक जीवन यापन हेतु उत्सुक रहते हैं।

आप अपनी आगामी कार्य योजना की अच्छी शुरूआत हेतु आश्वस्त रहते हैं। आप अपनी जीवन संगिनी की उपुयक्ता हेतु जिसका जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, कन्या, मकर अथवा वृष राशि में हुआ है वह जीवन संगिनी आपके लिए अच्छी रहेगी। तब आप उस पत्नी को अपने योग्य चयन कर सकते हैं जो आपको अच्छी संतान एवं सुखमय परिवार का आनंद दे सकती है।

आपके लिए अनुकूल रंग जो जीवन में अनिवार्यता की भूमिका प्रदान कर सके। उस रंग यथा पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंगों का चयन एवं पसंद कर सकते हैं परंतु सफेद रंग, हरा एवं नीला रंग अनुपयुक्त एवं त्याज्यनीय है।

अंकों में 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक आपके लिए अनुकूल है, परंतु 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुपयुक्त है।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।